# राष्ट्रीय गोकुल मिशन

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने **लोकसभा में स्वदेशी गोजातीय नस्लों** के संरक्षण और दूध उत्पादन को बढ़ाने में राष्ट्रीय गोकुल मिशन **(Rashtriya Gokul Mission-RGM)** की भूमिका पर प्रकाश डाला।

## राष्ट्रीय गोकुल मिशन क्या है?

- **परिचय:** इसे दिसंबर 2014 से स्वदेशी गोजातीय नस्लों के विकास और संरक्षण के लिये लागू किया गया है।
  - यह योजना 2400 करोड़ रुपए के बजट परिव्यय के साथ वर्ष 2021 से 2026 तक एकछत्र योजना राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना के तहत भी जारी है।
- **आवश्यकता:** पुंगनूर (आंध्र प्रदेश) जैसी स्वदेशी गोजातीय नस्लों की गिरावट से बहुमूल्य आनुवंशिक संसाधनों को खतरा है। ये नस्लें **जलवायु के प्रति लचीली हैं, उच्च गुणवत्ता वाला दूध देती** हैं और स्थानीय वातावरण के अनुकूल ढल जाती हैं, जिससे संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश पड़ता है।
- **उद्देश्य: RGM का उद्देश्य गोजातीय उत्पादकता को बढ़ावा देना, उच्च गुणवत्ता वाले प्रजनन को बढ़ावा देना,** कृत्रिम गर्भाधान **(Artificial Insemination- AI) सेवाओं को मजबूत करना है।**
- **RGM के घटक:**
  - **उच्च आनुवंशिक योग्यता:** संतान परीक्षण, वंशावली चयन और जीनोमिक चयन तथा जर्मप्लाज़्म आयात के माध्यम से बैल उत्पादन के माध्यम से आनुवंशिक योग्यता को बढ़ाता है।
  - यह वीर्य केंद्रों को सुदृढ़ करता है, सुनिश्चित गर्भधारण के लिये इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (in Vitro Fertilization- IVF) प्रौद्योगिकी को क्रियान्वित करता है, तथा पशुधन में आनुवंशिक सुधार हेतु नस्ल गुणन फार्मों की स्थापना करता है।
  - **कृत्रिम गर्भाधान नेटवर्क:** देश भर में कृत्रिम गर्भाधान तक पहुँच बढ़ाने के लिये ग्रामीण भारत में बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRIs) की स्थापना को बढ़ावा देना।
  - RGM डेटा प्रबंधन और सेवा वितरण में सुधार के लिये राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन को क्रियान्वित करता है।
  - **देशी नस्लों का संरक्षण :** देशी मवेशियों की देखभाल और संरक्षण के लिये **गौशालाओं** को समर्थन।
  - **कौशल विकास और जागरूकता: क्षमता निर्माण कार्यक्रमों** के माध्यम से कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना, **किसानों में जागरूकता बढ़ाना** और गोजातीय प्रजनन में **अनुसंधान और नवाचार** का समर्थन करना।
  - **वित्तपोषण स्वरूप:** RGM के घटकों को बड़े पैमाने पर **100% अनुदान सहायता के आधार पर वित्त पोषित** किया जाता है, जिसमें कुछ विशिष्ट घटकों में आंशिक सब्सिडी शामिल होती है (जैसे, IVF गर्भधारण, लिंग वर्गीकृत वीर्य, नस्ल गुणन फार्म)।
- **RGM के अंतर्गत प्रमुख पहल:**
  - **गोकुल ग्राम:** देशी गाय, देशी नस्लों के संवर्द्धन और संरक्षण के लिये गोकुल ग्राम कहलाते हैं।
  - **किसानों के लिये पुरस्कार:** देशी मवेशियों और पशुपालकों के उत्कृष्ट प्रबंधन के लिये **गोपाल रत्न पुरस्कार** और **कामधेनु पुरस्कार।**
  - **राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र: देशी नस्लों के वैज्ञानिक संरक्षण और विकास के लिये एक केंद्र।** यह देश की देशी नस्लों के **जर्मप्लाज्म (आनुवांशिक सामग्री)** के राष्ट्रीय भंडार के रूप में कार्य करता है।
  - **ई-पशु हाट - नकुल प्रजन बाज़ार:** प्रजनकों और किसानों को जोड़ने वाला एक ई-मार्केट पोर्टल।
  - **राष्ट्रीय बोवाइन जीनोमिक केंद्र:** जीन-आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उच्च-योग्यता वाले बैलों का चयन करने के लिये जीनोमिक संवर्द्धन हेतु एक केंद्र।

## कृत्रिम गर्भाधान

- कृत्रिम गर्भाधान (Artificial Insemination- AI) एक प्रजनन तकनीक है जिसमें गर्भधारण हेतु शुक्राणु को मादा के गर्भाशय में मैन्युअल रूप से प्रवेश कराया जाता है।

## पशुधन क्षेत्र से संबंधति अन्य पहल

- [पशुपालन अवसंरचना वकिास नधि (AHIDF)]
- [राष्ट्रीय पशु रोग नयिंत्रण कार्यक्रम]
- [राष्ट्रीय कृत्रमि गर्भाधान कार्यक्रम]

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

## ??????????

**प्रश्न : वर्तमान में वैज्ञानकि गुणसूत्र पर जीन या डीएनए अनुक्रमों की व्यवस्था या सापेक्ष स्थतिनिर्धारति कर सकते हैं। यह ज्ञान हमें कैसे लाभ पहुँचाता है? (2011)**

1. पशुधन की वंशावली जानना संभव है।
2. सभी मानव रोगों के कारणों को समझना संभव है।
3. रोग प्रतरिोधी पशु नस्लों को वकिसति करना संभव है।

**उपर्युक्त में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

**उत्तर: (c)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rashtriya-gokul-mission-2